RNI No.-UPHIN2016/70155

के.डी.न्यूज

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष :7 अंक : 39 | सुलतानपुर मंगलवार 21 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 | मूल्यः 3.00 रूपये

भारत की विकास गाथा में शामिल हों वैश्विक निवेशक, देश दे रहा रिटर्न की गारंटी– मोदी

एजेंसी।

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वैश्विक निवेशकों से भारत की विकास गाथा में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि देश इसके बदले उन्हें 'रिटर्न की गारंटी' देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वैश्विक निवेशकों से भारत की विकास गाथा में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि देश इसके बदले उन्हें 'रिटर्न की गारंटी' देता है। उन्होंने कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए यह भी कहा कि उनकी सरकार ने पिछले नौ साल में देश में राजकाज के स्तर पर व्यापक स्तर पर बदलाव लाकर देश को 'नाजुक–पांच' की स्थिति से बाहर निकाल कर एक सशक्त राष्ट्र बनाया है। मोदी ने आर्थिक समाचारपत्र इकोनॉमिक टाइम्स के वैश्विक व्यवसाय शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए सड़क, निर्माण, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, रेलवे लाइन बिछाने और हवाईअड्डों की संख्या बढ़ाने समेत विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने वैश्विक निवेशकों से भारत की विकास गाथा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश इसके बदले रिटर्न की गारंटी देता है। मोदी ने कहा, ''जब आप भारत की विकास गाथा से जुड़ते हैं, तो भारत आपको आगे बढ़ने की गारंटी देता है...भारत की समृद्धि विश्व की समृद्धि है और भारत की वृद्धि विश्व

की वृद्धि है।'' प्रधानमंत्री ने जनमत निर्माण से जुड़े लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, ''हमारे देश में, जनमत तैयार करने वाले अधिकतर लोग हर छह महीने में उसी 'उत्पाद' को फिर से पेश करने में व्यस्त रहते हैं। और इसे दोबारा पेश करने में भी वे उसे नया रूप देने की कल्पना नहीं करते हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत ने दुनिया को दिखाया है कि सशक्त राष्ट्र का क्या मतलब है। जहां पहले पांच नाजुक देशों की बात होती थी, वहीं अब भारत को इसके उलट एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है। भारत ने दुनिया को दिखाया है कि आपदाओं को अवसरों में कैसे बदला जा सकता है।का उपयोग 2013 में ब्राजील, इंडोनेशिया, भारत, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की के लिये किया गया था। इसका कारण यह था कि निवेशक उच्च रिटर्न की उम्मीद में विकसित बाजारों में निवेश को लेकर उभरते बाजार वाली अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी निकाल रहे थे। मोदी ने घोटालों के कारण देश की साख को लगे बट्टे को याद करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोगों को कई चीजों से वंचित होना पड़ा। युवाओं के हितों की अनदेखी की गयी। मोदी ने घोटालों के कारण देश की प्रतिष्ठा के लिए कठिन समय, भ्रष्टाचार के कारण गरीबों के वंचित होने, वंशवाद की वेदी पर युवाओं के हितों की बलि चढ़ाने और भाई–भतीजावाद और नीतिगत पक्षाघात के कारण परियोजनाओं में देरी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "इसीलिए हमने शासन के हर स्तर पर फिर से कल्पना करने, उसे नया रूप देने का फैसला किया। हमने फिर से कल्पना की कि कैसे सरकार गरीबों को सशक्त बनाने के लिए कल्याणकारी वितरण में सुधार कर सकती है। हमने फिर से कल्पना की कि कैसे सरकार अधिक कुशल तरीके से बुनियादी ढांचा तैयार कर सकती है।

महादेवा में जलाभिषेक के लिए उमड़ा भक्तों का सैलाब, देर रात तक चार लाख भक्तों के आने की संभावना

लखनऊ संवाददाता।

महाशिवरात्रि पर बाराबंकी के पौराणिक तीर्थ स्थल पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। अनुमान के मुताबिक देर रात तक यहां करीब चार लाख श्रद्धालु जलाभिषेक करने आएंगे। महाशिवरात्रि के मौके पर महाभारत कालीन पौराणिक तीर्थ स्थल श्री लोधेश्वर महादेवा में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा है। बम बम भोले के उद्घोष से महादेवा गूंज रहा है। सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। दो लाख से अधिक श्रद्धालु महादेवा में मौजूद हैं। देर रात तक 4 लाख शिव भक्तों के जलाभिषेक करने की संभावना है। महादेवा में शिवरात्रि मेला पिछले करीब 10 दिन से चल रहा है। प्रदेश के कोने–कोने से आ रहे कांवड़िए यहां भगवान शिव की जय जयकार करते हुए जलाभिषेक कर रहे हैं। रविवार को शिवरात्रि के मौके पर जलाभिषेक करने के लिए शनिवार शाम से ही भक्तों की कतार लग गई थी। भीड़ को देखते हुए पिछले पांच दिन से मंदिर के कपाट 24 घंटे के लिए खुले हैं। मंदिर से मुख्य सड़क तक करीब तीन किलोमीटर लंबी कतार लगी है। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने हर मार्ग पर बैरीकेडिंग करा रखी है। 60 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। करीब 600 पुलिसकर्मी महादेवा मेला में मौजूद हैं। महादेवा के अलावा जिले के अन्य प्रसिद्ध शिवालयों में भी सुबह से ही जलाभिषेक के लिए भीड़ जुट रही है। इनमें किंतूर स्थित कुंतेश्वर महादेव मंदिर, हैदरगढ़ क्षेत्र के अवसानेश्वर महादेव मंदिर, शहर के कैलाश आश्रम स्थित चंद्रेश्वर महादेव मंदिर, सतोखर तालाब स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में भारी भीड़ जुटी है।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए के.एन.आई.टी संस्थान के परिसर में स्थित बंद दुकानों को गया खोला, पार्कों का हुआ सुंदरीकरण–डा के.एस वर्मा।

अनुभाग से बाहर के कर्मचारी की मौजूदगी पर नपेंगे विभागीय कर्मचारी–– मनोज कुमार श्रीवास्तव
सभी नियमित और आउटसोर्स कर्मचारियों को अनुशासन में रहने की दी नसीहत

सुलतानपुर । कमला नेहरू प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डॉ केएस वर्मा और संस्थान के वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के छात्र–छात्राओं को अनुशासन (क्पेबपचसपदम) का पाठ पढ़ाया है । यहां इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छात्र–छात्राओं में अनुशासन बना रहे और छात्र–छात्राओं को बाहर मार्केटिंग करने न जाना पड़े ,इसके लिए संस्थान परिसर में स्थित बंद दुकानों को ओपन (खोलने) की अनुमति दी जा चुकी है । जिसके चलते पराग डेरी की दुकान खुल गई है । यह जानकारी संस्थान के वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने के.डी न्यूज यूपी से बात करते हुए दी । संस्थान के डॉयरेक्टर डॉ केएस वर्मा ने कहा कि संस्थान की छात्र–छात्राएं बेहद अनुशासित हैं ,क्योंकि संस्थान में लगातार

छात्र–छात्राओं को अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाता है । उन्होंने कहाकि ष्अनुशासन ही देश को महान बनाता है । ष वहीं केएनआईटी (ज्ञछप्ज) के वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि लेखानुभाग के सभी नियमित तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को सख्त चेतावनी दी गई है कि ऑफिस टाइम (कार्यालय अवधि) में अपने कक्ष में किसी भी अन्य अनुभाग के किसी भी कर्मचारी को अनावश्यक न बैठाएं । उन्होंने कहाकि यह भी निर्देश दिया गया है कि यदि कर्मचारी किसी खास शासकीय कार्य से आया हो तो उसकी सूचना उन्हें (वित्त एवं लेखाधिकारी) को दें और उसकी जिज्ञासाओं का उत्तर या समाधान वित्त एवं लेखाधिकारी के कक्ष में ही करें

वित्त एवं लेखाधिकारी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सभी कर्मचारियों को चेतावनी दी गई है कि अनुभाग से बाहर के कर्मचारी की मौजूदगी पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी, प्रशासनिक सुधार के लिए बाहरी अनावश्यक तत्वों का आना जाने पर रोक लगा दिया गया है और अनुभाग से अनावश्यक कुर्सियों को हटा दिया गया है।

वित्त एवं लेखाधिकारी श्री श्रीवास्तव ने कहा कि संस्थान के छात्र– छात्राओं एंव अन्य स्टॉफ को शुद्ध–साफ और पौष्टिक भोजन मिले , इसके लिए मेस निरीक्षण करने के बाद गंदगी और अव्यवस्थाओं के कारण मेस का स्टॉफ बदल दिया गया है । उन्होंने कहाकि यहां मौजूद पार्क का सुंदरीकरण कराया गया है । संस्थान परिसर को साफ–सुथरा कर उसे संवारा जा रहा है ।

सम्पादकीय

उनसे उम्मीद ना रखें

जो लोग क्रोनी कैपिटलिज्म को सिर्फ भारत की परिघटना मानते हैं, उन्हें अपनी इस राय पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्हें वित्तीय पूंजीवाद के वर्तमान रूप को समझना चाहिए, जिसने राजसत्ताओं पर कब्जा जमा लिया है। एयर इंडिया, बोइंग और एयरबस तीनों प्राइवेट कंपनियां हैं। एयर इंडिया ने विमान खरीदने का सौदा अमेरिका की बोइंग और फ्रांस की एयरबस से किया है। ध्यान देने की बात है कि इस सौदे का एलान तीनों देशों के सरकार प्रमुखों ने किया। उधर इस अवसर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का भी उल्लास झलका। इसलिए कि इस सौदे से जुड़े कई पाट–पुर्जों की सप्लाई ब्रिटिश कंपनियां करेंगी। यह घटना मौजूदा दौर में राजसत्ता के बदले चरित्र की बेहतरीन मिसाल है। इसलिए जो लोग क्रोनी कैपिटलिज्म को सिर्फ भारत की परिघटना मानते हैं, उन्हें अपनी इस राय पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्हें वित्तीय पूंजीवाद के वर्तमान रूप को समझना चाहिए, जिसने राजसत्ताओं पर कब्जा जमा लिया है। उसके बीच सरकारें सिर्फ उसका हित साधने की एजेंसी बन गई हैं। वे कारोबारी घरानों के हित साधती हैं। कुछ ध ानी–मानी घराने अपने धन और प्रचार तंत्र से चुनावों का निर्णायक नैरेटिव तैयार करते हैं। ऐसे में उनका समर्थन काफी हद तक एक निर्णायक पहलू बन जाता है। यह बात इसलिए आज अधिक विचारणीय है, क्योंकि भारत में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो सोचते हैं कि अगर नरेंद्र मोदी सरकार ने बीबीसी पर छापा डलवाया है, तो उससे पश्चिमी दुनिया में उसकी हैसियत बिगड़ जाएगी। यह संयोग है या नहीं, हम नहीं जानते, लेकिन इस विडंबना पर जरूर गौर करना चाहिए कि बीबीसी पर छापा जिस दिन पड़ा, उसी शाम नरेंद्र मोदी, जो बाइडेन, इमैनुएल मैक्रों और ऋषि सुनक ने उद्देश्य के साझेपन का अद्भुत संदेश सार्वजनिक रूप से दिया। इसके तीन दिन पहले न्यूयॉर्ट टाइम्स अपने एक संपादकीय में इस बात पर अफसोस जता चुका था कि अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों की सरकारें अपनी चीन विरोधी रणनीति में भारत की उपयोगिता के कारण दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की खत्म हो रही आजादी की चिंता नहीं कर रही हैं। मंगलवार की घटनाओं से इस अखबार और उसकी जैसी सोच रखने वाले लोगों का अफसोस गहरा हुआ होगा। बहरहाल, कहने का सार और संदेश यह है कि भारत के लोगों को अपनी नागरिक आजादियों को बचाना है, तो उसके लिए उन्हें खुद और अपने बूते पर संघर्ष करना होगा।

महाराष्ट्र का उपचुनाव बेहद अहम

देश की वित्तीय राजधानी मुंबई के साथ साथ पुणे और ठाणे में नगर निगम का चुनाव होना है। इन चुनावों की महत्ता इस बात से समझी जा सकती है कि एक महीने में दो बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंबई की यात्रा की है और हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। बताया जा रहा है कि नगर निगम चुनावों की घोषणा राज्य में दो सीटों पर हो रहे उपचुनावों के बाद होगी। दोनों उपचुनावों का महत्व सिर्फ इतना नहीं है, बल्कि इससे एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे के गुट की शिव सेना के गठबंधन की परीक्षा भी होगी और भाजपा–एकनाथ शिंदे गुट की भी परीक्षा होगी। जब से राज्य में महाविकास अघाड़ी की सरकार गिरी है तब से एक अंधेरी ईस्ट सीट का चुनाव हुआ था लेकिन वहां भाजपा ने उम्मीदवार नहीं दिया था इसलिए उद्धव ठाकरे की पार्टी के लिए मुकाबला एकतरफा रहा था।

परंतु कस्बा पेठ और चिंचवाड़ सीट पर दोनों गठबंधन लड़ रहे हैं। चिंचवाड़ सीट भाजपा के लक्ष्मण जगताप के निधन से खाली हुई थी और भाजपा ने उनके बेटे अश्विनी जगताप को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने अंधेरी ईस्ट की मिसाल देते हुए उस सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारने की मांग की थी लेकिन एमवीए की ओर से एनसीपी ने नाना काटे को उम्मीदवार बनाया है। एनसीपी ने बड़ा जोखिम लिया है। पिछली बार इस सीट पर राहुल कलाटे दूसरे नंबर पर थे। लेकिन उनकी बजाय पार्टी ने नाना काटे को उतारा है। कस्बा पेठ सीट कांग्रेस को मिली है, जिसने पिछली बार दूसरे स्थान पर रहे रवींद्र धंगेकर को उतारा है। भाजपा की मुक्ता तिलक ने उनको हराया था। ये दोनों सीटें भाजपा की हैं। अगर इनमें से एक भी सीट वह हारती है तो राज्य की राजनीति में बहुत कुछ बदलेगा। राज ठाकरे की मनसे और एकनाथ शिंदे की शिव सेना दोनों भाजपा का समर्थन कर रहे हैं।

देश में माल ढुलाई और परिवहन

अजय दीक्षित

केन्द्र सरकार ने अब इस सत्य को स्वीकारा है कि देश में परिवहन व माल ढुलाई के सबसे सुलभ साधन रेलवे के उत्थान के बिना विकास को गति नहीं मिलेगी। तभी बजट में रेलवे के लिये अब तक उच्चतम पूंजी परिव्यय निर्धारित किया गया है। संसद में प्रस्तुत हालिया बजट में अब तक का सर्वाधिक पूंजीगत परिव्यय 24 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। यह राशि वर्ष 2013–14 के मुकाबले नौ गुनी है। निस्संदेह, यह देश की जीवन रेखा कही जाने वाले रेलवे के विकास – आधुनिकीकरण के लिये शुभ संकेत है। यह अच्छी बात है कि कोविड

गहलोत ने इस बार के बजट में काश्तकारों के लिए कई सकारात्मक कदम उठाये ह

दरअसल समझना यह होगा कि कृषि आदान के रूप में उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री चाहे वह बीज के मिनी किट हों या उर्वरक या फिर कीटनाशक या अन्य कुछ, उसका सीधे–सीधे और शत–प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में ही होगा। यदि खेती किसानी से काश्तकारों की माली हालत सुधारनी है तो काश्तकारों को कृषि आदान के रूप में सहायता दी जानी होगी। इसके लिए सरकारें द्वारा चाहे केन्द्र की हों या प्रदेशों की, जितनी राशि का अनुदान प्रावधान किया जाता है या ऋण माफी की अनुमानित राशि का प्रावधान किया जाता है, उतनी राशि से काश्तकारों को कृषि आदान यानी कि उन्नत बीज–खाद, कीटनाषक आदि के मिनी किट के रूप में निःशुल्क या अनुदानित दर पर सीधे काश्तकार को उपलब्ध कराया जाता है तो इसका वास्तविक लाभ खेती किसानी को मिल सकेगा। हालिया राजस्थान सरकार के आगामी वर्ष के हालिया बजट को इस दिशा में सकारात्मक पहल माना जा सकता है। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 10 फरवरी को राज्य विध ानसभा में प्रस्तुत बजट में प्रदेश के 23 लाख लघु एवं सीमांत किसानों को उन्नत प्रमाणित बीज के निःशुल्क मिनी किट उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इसी तरह से इंटरनेशनल मिलेट् वर्ष के अवसर पर 8 लाख किसानों को बाजरा बीज के मिनी किट वितरित करने और 20 लाख सब्जियों के मिनी किट वितरित करना प्रस्तावित किया है। इसमें 11 लाख किसानों को संकर मक्का बीज के मिनी किट, 7 लाख काश्तकारों को सरसों बीज के मिनी किट, 3 लाख किसानों को मूंग बीज के मिनी किट और एक–एक लाख काश्तकारों को मोठ और तिल बीज के मिनी किट उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है। 8 लाख काश्तकारों को बाजरा बीज की मिनी किट उपलब्ध होंगे तो 20 लाख काश्तकारों को सब्जी बीज के मिनी किट दिए जाएंगे। भले ही राजस्थान की सरकार द्वारा निःशुल्क बीज मिनी किट वितरण के दायरे में लघु एवं सीमांत किसानों को लिया गया है और यह भी सही है कि सर्वाधिक सहायता की आवश्यकता लघु एवं सीमांत किसानों को है, ऐसे में इसका सीधा–सीधा लाभ खेती किसानी और काश्तकार को मिलेगा और यह व्यवस्था सीधे किसानों के खातों में अनुदान राशि भेजे जाने से भी अधिक प्रभावी होगी। दरअसल समझना यह होगा कि कृषि आदान के रूप में उपलब्ध कराई जाने वाली सामग्री चाहे वह बीज के मिनी किट हों या उर्वरक या फिर कीटनाशक या अन्य कुछ, उसका सीधे–सीधे और शत–प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में ही होगा। काश्तकार बीज को बुवाई के ही काम में लेगा और इससे उत्पादन बढ़ेगा जिससे काश्तकार के साथ ही प्रदेश व देश को लाभ मिलेगा। देश और प्रदेश में कृषि उत्पादन बढ़ेगा। इससे दोहरा लाभ सुनिश्चित है। एक तो यह कि काश्तकारों को बुवाई के समय बीज की उपलब्धता होगी, दूसरी यह कि बीज की गुणवत्ता और प्रमाणिकता से समझौता नहीं होगा और किसान नकली बीज से ठगा नहीं जाएगा। इसके साथ ही यह भी साफ होगा कि चूंकि सरकार द्वारा बीज के मिनी किट का वितरण किया जाएगा तो निश्चित रूप से यह भी सुनिश्चित होगा कि क्षेत्र विशेष के लिए उपयुक्त किस्म के बीज काश्तकारों को मिल सकेंगे। इससे बीज की गुणवत्ता पर भी किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकेगा।प्रध ानमंत्री किसान सम्मान निधि को अलग कर दिया जाए तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि किसी अन्य तरीके से काश्तकार को भले ही डीबीटी के माध्यम से अनुदान राशि हस्तांतरित की जाएं और यह सुनिश्चित होने के बाद भी शत–प्रतिशत राशि बिना किसी लीकेज के काश्तकार को मिले पर, उस राशि का उत्पादन कार्य में उपयोग होगा यह सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। इस बात को नहीं नकारा जा सकता है कि जब नकद राशि आती है तो उसका अन्यत्र उपयोग भी हो सकता है। ऐसे में राजस्थान सरकार की नए बजट में किसानोन्मुखी अन्य घोषणाओं के साथ ही उन्नत बीज के मिनी किट निःशुल्क वितरण करने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है और यह साफ है कि इसका सीधा–सीधा लाभ काश्तकार और प्रदेश में कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी में ही होगा। इसके साथ ही जब सरकार द्वारा बीज मिनी किट उपलब्ध ा कराए जाएंगे तो उनकी गुणवत्ता और उत्पादकता पर प्रश्न भी नहीं उठाया जा सकेगा।राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने एक अच्छी पहल कर दी है। बजट में इसके लिए वित्तीय प्रावधान भी कर दिए हैं। ऐसे में अब सरकारी मशीनरी की जिम्मेदारी हो जाती है कि बीज की गुणवत्ता और बीज वितरण का रोडमैप समय रहत तैयार कर लिया जाए ताकि मानसून के आरंभ होते ही या खरीफ की बुवाई के समय लक्षित काश्तकारों को समय पर योजनाबद्ध तरीके से बीज के मिनी किट वितरित हो सके। ऐसा नहीं है कि मिनी किट पहली बार वितरित होंगे अपितु मिनी किट तो वितरित होते रहते हैं पर राज्य सरकार इस बार बड़े स्तर पर लघु एवं सीमांत किसानों को इसके दायरे में ला रही है। ऐसे में बीज की गुणवत्ता, उपलब्धता और मिनी किट समय पर तैयार होने और वितरण का समूचा फूल प्रूफ नेटवर्क तय करना होगा। इसके लिए सहकारी नेटवर्क की भूमिका तय की जा सकती है।

मनरेगा हंगामा यूं ही नहीं

डॉ. सुरजीत सिंह गांधी

मनरेगा यानी महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की बकाया राशि का भुगतान अभी तक न किए जाने के लेकर केंद्र और राज्य सरकारों के बीच एक बार फिर से राजनीति गरमाने लगी है। केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने राज्य सभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि मनरेगा के अंतर्गत 14 राज्यों के लिए 6,157 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाना बाकी है। इनमें से 6 राज्य ऐसे हैं, जिनमें भाजपा की सरकार है। सर्वाधिक बकाया (2,700 करोड़ रुपये) पश्चिम बंगाल का है। आंध्र प्रदेश का 836 करोड़ रुपये, कर्नाटक का 638 करोड़, मध्य प्रदेश का 362 करोड़, महाराष्ट्र का 200 करोड़, ओडिशा का 187 करोड़, केरल का 137 करोड़, असम का 112 करोड़ और मेघालय का 102 करोड़ रुपये के बकाया सहित मनरेगा में प्रयुक्त निर्माण सामग्री घटकों की देनदारियों को भी जोड़ दिया जाए तो यह धनराशि 6175 करोड़ रुपये हो जाती है। राज्य सरकारों का कहना है कि मनरेगा के अंतर्गत राशि न मिलने से ग्रामीणों के लिए आजीविका का प्रश्न बड़ी चुनौती बन गया है। नियमानुसार मजदूर को 15 दिन के भीतर भुगतान होना चाहिए जिसके बाद प्रत्येक दिन की देरी के लिए श्रमिक मुआवजे का हकदार हो जाता है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों के आपसी समंजस्य के अभाव के कारण यह कार्यक्रम आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक महत्त्व का हो गया है। अपर्याप्त धन, अपर्याप्त वेतन और असामयिक भुगतान आदि को लेकर केंद्र और राज्यों के बीच होने राजीनीतक विवाद का खमियाजा ग्रामीण मजदूरों को भुगतना पड़ रहा है। मजदूरी भुगतान में देरी से श्रम अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा जिसके चक्रीय दुष्प्रभाव अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगेंगे। मजदूरी नहीं मिलने की स्थिति में खाद्य सुरक्षा का संकट गहराने लगेगा तो ग्रामीण क्षेत्र में विशेष रूप से महिलाओं की बेरोजगारी भी बढ़ेगी।

अपनी प्रतिभा और मेहनत को सर्वोच्च मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर– मुख्यमंत्री

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राज भवन प्रांगण में 54वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी–2023 का शुभारम्भ किया

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज भवन प्रांगण में आयोजित चार दिवसीय 54वीं प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी–2023 का शुभारम्भ किया। यह प्रदर्शनी 17 से 20 फरवरी, 2023 तक आयोजित की गयी है। मुख्यमंत्री ने राजभवन में प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के आयोजन के लिए राज्यपाल जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनी द्वारा अन्नदाता किसानों को एक नया मंच मिलता है। यह प्रदर्शनी किसानों को प्रदेश व देश के सामने अपनी प्रतिभा को उजागर करने, अपनी मेहनत को सर्वोच्च मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अन्नदाता किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाए जाने पर बल देते हैं, तब उनके द्वारा खेती व बाड़ी दोनों की चर्चा की जाती है। हम अपनी परंपरागत खेती में जितना उत्पादन करते हैं, उससे कई गुना फल, शाकभाजी व पुष्प की खेती में कर सकते हैं। औद्यानिक फसल कई गुना आमदनी प्राप्त करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर आये एक प्रगतिशील किसान ने बताया कि उन्होंने एक हेक्टेयर खेती में 29 लाख रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया। ऐसे ही अलग–अलग क्षेत्रों के किसानों को जिन्हें यहां सम्मानित किया गया है, उन सभी की एक सफल कहानी है। औद्यानिक फसलों के माध्यम से बागवानों और प्रगतिशील किसानों ने खेती–किसानी से जुड़े सभी अन्नदाता किसानों के सामने एक नया मानक प्रस्तुत किया है। राज भवन में आयोजित की जा रही प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी के 54 वर्षों के इतिहास के पीछे भी यही मंशा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश एक कृषि प्रधान राज्य है। हमारा अन्नदाता किसान कड़ी मेहनत करता है। प्रकृति ने प्रदेश में उर्वरा भूमि व पर्याप्त जल संसाधन दिये हैं। देश की 11 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि होने के बावजूद उत्तर प्रदेश देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में 20 प्रतिशत योगदान करता है। देश में जो बात उत्तर प्रदेश के अन्नदाता किसानों के लिए फिट बैठती है, वही स्थिति प्रदेश की औद्यानिक फसलों के किसानों के बारे में देखने को मिलती है। उत्तर प्रदेश की कृषि जीडीपी में अन्नदाता किसानों का बड़ा योगदान है। उसी प्रकार औद्यानिक फसलों से ही कृषि जीडीपी में 25 प्रतिशत योगदान प्रदेश का किसान करता है। इस अवसर पर राज्यपाल जी एवं मुख्यमंत्री द्वारा प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी–2023 स्मारिका का विमोचन किया गया। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए फल, शाकभाजी एवं पुष्प स्टॉलों का अवलोकन भी किया। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा 12 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। इनमें मदन पाण्डेय, पुष्पेन्द्र सिंह, सुरेंद्र प्रसाद पाठक, रमन सिंह, जय देव सिंह, अमरेंद्र प्रताप सिंह, सुमन देवी, सुधीर कुमार, कु0 ईशा, भगवत किशोर, लोक राज मौर्य विश्वनाथ यादव शामिल हैं। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को प्रतीक चिंह भेंट कर स्वागत किया गया। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को जनपद बागपत के प्रगतिशील किसान जय देव सिंह ने स्वयं उत्पादित शहद तथा जनपद बाराबंकी के किसान अमरेंद्र प्रताप सिंह ने स्वयं उत्पादित स्ट्रॉबेरी भेंट की। स्कूल के दो विद्यार्थियों ने राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को उनकी पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम के दौरान उद्यान, कृषि विपणन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव राज्यपाल कल्पना अवस्थी, विशेष सचिव राज्यपाल बीएन सिंह, जिलाधिकारी लखनऊ सूर्यपाल गंगवार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि बागवानी फसलों की विविधता को एक स्थान पर जनसाधारण को दिखाए जाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष यह प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। यह प्रदर्शनी उत्तर भारत की सबसे पुरानी, समृद्ध एवं अनूठी प्रदर्शनी है। इस प्रदर्शनी में मुख्य रूप से उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा विभिन्न संस्थाओं के पंडाल, शाकभाजी, फल एवं पुष्प के पंडाल, कलात्मक सज्जा से युक्त पण्डाल तथा व्यक्तिगत वर्ग के तहत गमलों में उगायी गयी सब्जियों तथा सजीव फूलों से बनी आकृतियों का प्रदर्शन, इस आयोजन के प्रमुख आकर्षणों में सम्मिलित है।

उच्चाधिकारियों एवं ठेकेदार के गठजोड़ से निर्मित पुलिया का करा दिया गया,मानक विहीन निर्माण कार्य

संवाददात।

कछौना हरदोई ।विकास खण्ड कछौना के अंतर्गत ग्राम सेमरा कलां (महरी) संपर्क मार्ग पर महरी माइनर की पुलिया स्थित हैं, जो दशकों से टूटी व ध्वस्त पड़ी थी, आवागमन में काफी असुविधा होती थी, राहगीर चुटहिल हो जाते थे, ग्रामीणों ने दर्जनों बार शासनध्प्रशासन से पुलिया निर्माण की मांग की। जिसके बाद राष्ट्रीय जल प्रबंध शारदा नहर खंड हरदोई द्वारा लगभग 7 से 8 लाख रुपये से निर्माण कार्य कराने की स्वीकृत मिल गई। जिसका निर्माण कार्य ठेकेदार अशोक सिंह द्वारा लगभग दो माह पूर्व मानकों को ताक पर रखकर शुरू किया गया। ग्रामीण बताते हैं कि कार्य के प्रारंभ से ही यह स्थिति हैं काम की स्थिति को देखने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। इसी बात का फायदा उठाकर ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में मनमानी बरती गई है। मानक विहीन सामग्री और खंजड व दोयम दर्जे की ईटा का उपयोग कर निर्माण कार्य करवाया गया है। निर्माणाधीन पुलिया में लोहा भी तय मानक के अनुसार नहीं लगाया गया, मटेरियलध्मशाला बहुत ही घटिया किस्म का प्रयोग किया गया, जिसके चलते अभी से ही पुलिया टूट रहीं हैं, सही ढंग से पानी की तराई भी नहीं की गई हैं, कुछ स्थानों पर दरार दिखने लगी हैं। जबकि उच्च क्वालिटी की सामग्री अव्वल दर्जे की ईंट के साथ तीन से चार एक का मशाला यानी दो से तीन बोरी मौरंग में एक बोरी सीमेंट के साथ निर्माण कार्य को कराने का प्रावधान है। छत में लोहा व मटेरियल में काफी कमी की गई हैं। इस पुलिया के ऊपर से अधिक भार लेकर बड़े बड़े वाहनों का प्रतिदिन आवागमन दिन रात लगा रहता हैं। जिसे देखते हुए उक्त पुलिया का मजबूती से निर्माण कार्य न किये जाने से अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

विधवा महिला व दिव्यांग पुरुष ने भू–माफियाओं से कब्जा मुक्त कराए जाने लगाई न्याय की गुहार

बेनीगंज हरदोई ।योगी सरकार अवैध तरीके से जमीन पर कब्जा धारकों के खिलाफ एंटी भू–माफिया के तहत कब्जा मुक्त को लेकर अभियान चलाया जा रहा है अगर कहीं पर किसी किसान भाई की जमीन पर अवैध कब्जा हो तो उसको तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाए। कब्जा धारकों के ऊपर एंटी भू–माफिया के तहत विधिक कार्रवाई की जाए। लेकिन ऐसा जमीनी तौर पर नहीं हो पा रहा है।आज भी कुछ भू–माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। गरीब किसानों की जमीन पर अवैध कब्जा कर योगी सरकार में बनाए गए कानून को चुनौती दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला विकासखंड अहिरोरी के ग्राम वाजिदपुर से प्रकाश में आया है। जो चौंकाने वाला है। विधवा महिला व दिव्यांग पुरुष के खेत की जमीन पर गांव के ही लोगों द्वारा जमीन पर कब्जा कर अवैध निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसको लेकर आसपास क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। निर्माण कार्य जमीन कब्जा मुक्त को लेकर रामरानी पुत्री स्वर्गीय मूलचंद्र व रामखेलावन पुत्र छोटा ने कोतवाली बेनीगंज में भी शिकायती पत्र दिया सुनवाई ना होने के चलते रामरानी ने बीते 15 फरवरी को उपजिला अधिकारी संबोधित शिकायती पत्र दीया जिसमें बताया मेरे पिता मूलचंद जिनकी मृत्यु हो गई है उनकी एकमात्र बारिश है। पिता के नाम ग्राम वाजिदपुर में गाटा संख्या 715 भूमि दर्ज है।

जनपद में 874 जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत विवाह सम्पन्न कराया गया –डीएम

संवाददाता।

हरदोई । सीएसएन डिग्री कालेज के प्रागंण में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री आबकारी एवं मद्यनिषेध ा नितिन अग्रवाल की उपस्थिति में गणेश पूजन एवं दीप प्रज्जलन के साथ 802 हिन्दू तथा 72 मुस्लिम गरीब कन्याओं का विवाह विधि विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर मंत्री जी ने मुख्यमंत्री विवाह के अन्तर्गत दी जाने वाले 35 हजार रू0 की धनराशि लैपटाप पर क्लिक कर सीधे लाभार्थियों के खाते में स्थानान्तरित की। कार्यक्रम में नव विवाहित कुल 874 जोड़ों को आर्शीवाद प्रदान करते हुए मंत्री जी ने कहा कि आप सभी का वैवाहिक जीवन सफल एवं खुशहाल रहे। उन्होने कहा क मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत आज इस भव्य कार्यक्रम मे गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले असहाय, निराश्रित लोगों का विवाह सम्पन्न कराया गया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए कहा कि सभी का गहस्थ जीवन खुशमय हो और सभी अपने वैवाहिक जीवन में सफलता पायें। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित सभी अतिथियों का एवं नव विवाहित जोड़ों उनके परिजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए कहा कि उनका वैवाहिक जीवन मंगलमय हो और उन्हें जीवन में सभी खुशियां प्राप्त हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया

कि आज जनपद में सीएसएन डिग्री कालेज प्रागंण मे सभी 19 विकास खण्डों एवं नगर निकायों को मिलाकर कुल 874 जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के अन्तर्गत विवाह सम्पन्न कराया गया है, और शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक लाभार्थी के खाते में 35 हजार रू0 नगर की धनराशि भेजने के साथ निर्धारित वैवाहिक सामग्री व उपहार उपलब्ध कराए गये है।

कार्यक्रम में मंत्री जी सहित सभी अतिथियों ने नव विवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर आर्शीवाद दिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्र, अवध क्षेत्र के मंत्री पीके वर्मा, विधायक सवायजपुर माधवेन्द्र प्रताप सिहं रानू, ब्लाव प्रमुख गण,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र,भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष अलका गुप्ता, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट प्रशान्त तिवारी, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राम प्रकाश वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजमती, सहित सभी विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी तथा भारी संख्या में नव वैवाहिक जोड़ों के परिजन आदि उपस्थित रहें। सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दू जोंडों का विवाह गायत्री पीठ के पुजारियों द्वारा सम्पन्न कराया गया तथा मुस्लिम जोंडों का निकाह काजियों द्वारा पढा गया। कार्यक्रम में स्काउट मास्टर पंकज वर्मा की टीम द्वारा मनमोहक रंगोली तैयार की गयी। कार्यक्रम का सफल संचालन मनीष मिश्रा द्वारा किया गया।

तीव्र गति से बदल रही स्वास्थ्य सेवा– प्रदीप कुमार

संवाददाता।

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर का चेन्नई के गुरुनानक ऑटोनोमस कॉलेज में मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग के अंतर्गत जेनेटिक पॉली मोर्फिसम विषय पर शुक्रवार को वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा तीव्र गति से बदल रही है और इन परिवर्तनों का स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के तरीके पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। टेलीमेडिसिन से लेकर वैयक्तिकृत चिकित्सा तक, स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ये परिवर्तन मरीज में सुधार करने, उपचार को अधिक प्रभावी बनाने और अंततः जीवन बचाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैयक्तिकृत चिकित्सा स्वास्थ्य का भविष्य है। कोविड –19 के संक्रमण ने ये साबित किया है कि आपकी अनुवांशिकी आपको किसी बीमारी के होने वाले खतरे और मृत्यु दर को कम या ज्यादा कर सकती है। यह भी पता चला कि रोग की गंभीरता एवं उनसे होने वाली मृत्यु दर कैसे जेनेटिक सरंचना द्वारा प्रभावित होती है। एक ही दवा हर मरीज के लिए एक ही प्रकार से कारगर नही हो पाती है । यह उसके अनुवांशिक सरंचना पर निर्भर करता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा 2015 में परसनलाइज्ड मेडिसिन इनीशियेटिव शुरू किया था। विश्व भर में एकीकृत या व्यक्तिकृत चिकित्सा पर कार्य हो रहे है। जिस प्रकार शादी से पूर्व कुंडलियों का मिलान किया जाता है। ठीक उसी प्रकार से आने वाले समय में आपके सारे अनुवांशिकी बीमारी वाले जींस का मिलान किया जाने लगेगा। इससे विवाह पश्चात होने वाले बच्चे को होने वाले संभावित जेनेटिक रोगों से ग्रसित होने के बारे में बता कर सचेत किया जा सके।उन्होंने कहा कि कोविड 19 के दौरान रक्त समूह और वैक्सीन हेसिटेंसी पर उनके द्वारा किये गए कार्य व ग्लूकोज 6 डिहाइड्रोजनेस डेफिसिएंसी और किसी व्यक्ति में किसी जीन में सिंगल न्यूक्लियोटाइड पॉली मोर्फिसम् होने से कैसे उस व्यक्ति में कई रोगों का जोखिम एक साथ बढ़ जाता है रोगी की आनुवांशिक जानकारी के उपयोग ने वैयक्तिकृत चिकित्सा– फार्माको जेनोमिक्स के कुछ पहलुओं में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। इसका मुख्य लक्ष्य सही रोगी को सही समय और खुराक पर सही उपचार प्रदान करना है,जो कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने और स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम करने में मदद करने की क्षमता है। गुरु नानक कॉलेज प्रिंसिपल एमजी रघुनाथन, संकायाध्यक्ष डॉ0 नूरजहाँ, डॉ समुएल माथिमारं, डॉ0 सावित्री, डॉ0 सागरिका समेत सभी शिक्षक सभी छात्र–छात्राएं मौजूद थे।

जमीन के विक्रेता और क्रेता पर मुकदमा

संवाददाता।

जौनपुर। जिले के सुजानगंज क्षेत्र के उमरपुर गांव में राजस्व अभिलेख में छेड़छाड़ करते हुए भूमि को बेंचने के मामले में राजस्व टीम ने क्रेता व विक्रेता दोनों पर मुकदमा दर्ज कराया है। उमरपुर गांव के एक भूभाग राजस्व अभिलेख में नवीन परती खाते की भूमि के नाम दर्ज है। इस प्रकार यह भूमि ग्रामसभा की है। इस भूमि को आबादी दिखाकर विनोद कुमार तिवारी निवासी उमरपुर ने दिनेश कुमार एवं राजकुमार यादव निवासी बाहरपुर कला को बिना अधिकार के बेंच दिया। कागज में हेराफेरी, धोखाधड़ी एवं जालसाजी करके अवैध रूप से क्रय विक्रय करने पर लेखपाल पुष्पेंद्र सिंह पाल ने क्रेता विक्रेता के ऊपर मुकदमा दर्ज कराया। थानाध्यक्ष सुजानगंज घनश्याम शुक्ल ने बताया कि क्रेता विक्रेता के ऊपर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर क्रेता राजकुमार यादव एवं विक्रेता विनोद कुमार तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह की जयंती मनाई

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल परिसर में शनिवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह की जयंती मनाई गई. कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने उनकी मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने इस अवसर पर मुक्तांगन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे विश्वविद्यालय की स्थापना में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीर बहादुर सिंह जी का विशेष योगदान रहा. जिसे इस क्षेत्र के लोग कभी भुला नहीं पाएंगे. उनके प्रयास से जौनपुर के इस क्षेत्र में स्थापित ज्ञान का यह केंद्र अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अग्रसर है. उन्होंने कहा कि वीर बहादुर सिंह जी के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के कई बड़े काम हुए. इसी दौरान पूर्वांचल वासियों को इस विश्वविद्यालय की सौगात मिली. इस विश्वविद्यालय ने एक लम्बा सफर तय किया है.आज के दिन हम सब उन्हें नमन करते करते है. उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर आगे बढ़े और विश्वविद्यालय का नाम ऊँचा करें. धन्यवाद ज्ञापन रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रोफेसर देवराज सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. विनय वर्मा एवं संचालन डॉ दिग्विजय सिंह राठौर ने किया।इस अवसर पर डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ दीपक मौर्य, डॉ0 दिनेश वर्मा, सत्यम उपाध्याय, डॉ लक्ष्मी मौर्य समेत शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

धूमधाम से निकाली गई शिव बारात और शोभायात्रा

संवाददाता।

जौनपुर महाशिवरात्रि के पावन पर्व पूरे जनपद में धूमधाम से शिवालयों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की रुहट्टा शाखा द्वारा बहन मंजू के नेतृत्व में भगवान शिव की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह कार्यक्रम विश्व विद्यालय परिवार द्वारा पूरे विश्व में आज के दिन एक साथ मनाया जा रहा है। राज्य मंत्री गिरीश चंद यादव द्वारा भगवान शिव का विधिवत पूजन अर्चन कर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। तदुपरांत शोभा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।शोभायात्रा में डीजे हाथी घोड़ा रथ पर सवार भगवान शिव माता पार्वती सहित उनके परिवार की भव्य झांकी निकाली गई जो रुहट्टा से उठकर नगर की विभिन्न मार्गों से होता हुआ कुत्तूपुर चौराहे पर स्थित आश्रम पर जाकर समाप्त हुआ। इस दौरान भारी संख्या में शिव बाबा के भक्त जयकारा लगाते रहे और भगवान शिव के विभिन्न तरीके पारंपरिक गानों पर जमकर नृत्य भी किया। शोभायात्रा में भारी संख्या में शिव बाबा के भक्त उनका जय कारा भी लगाते रहे।इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व नपा अध्यक्ष दिनेश

अनियंत्रित बाइक सवार युवक पेड़ से टकराया, मौत

सुल्तानपुर। अनियंत्रित बाइक सवार युवक पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम में भेजकर परिवार वालों को घटना की सूचना दी। जानकारी होने पर परिवार में कोहराम मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोतिगरपुर थानाक्षेत्र के दियरा गांव निवासी हरिकेश निषाद (28 वर्ष) बाइक से नानेमऊ गांव जा रहा था। वो जैसे ही बरौसा–काछाभिटौरा मार्ग पर नानेमऊ गांव में माली की बाग के पास पहुंचा था कि एकाएक बाइक अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़ से टकरा गई।

अमहट में जुलूस–ए–शबीह सफर मदीना का आयोजन कल

संवाददाता।

सुलतानपुर। कस्बा अमहट की तरफ से 20 फरवरी सोमवार को 88 वर्ष पुराना ऐतिहासिक जुलूस जुलूस–ए–शबीह सफर मदीना का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह10 बजे जामा मस्जिद अमहट में एक मजलिस होगी जिसे मौलाना सैयद समर हैदर जैदी लखनऊ खेताब करेंगे। इसके बाद जुलूस जामा मस्जिद गोराबारिक अमहट से उठकर अमहट चौराहे से सुलतानपुर रोड होता हुआ गभड़िया चौकी के सामने मोहम्मद हादी के इमाम बाड़े से होकर दर गाह हजरत अब्बास अ0स0गभड़िया पर पहुँचेगा और वहां से अलम उठा कर जुलूस में शामिल किया जायेगा। उसके बाद वहीं पर जुलूस समाप्त होगा। दौराने जुलूस मौलाना मुशीर अब्बास खान 'मौलाना सैयद नकी रजा जैदी, मौलाना मोहम्मद जाफर खान, मौलाना बबर अली खान, मौलाना शारिब अब्बास अकबरपुर, मौलाना कल्बे हसनैन, मौलाना शकील अहमद खान व मौलाना सैयद अतहर अब्बास जैदी मुजफ्फर नगर ,तकरीर करेंगे। याद रहे यह जुलूस उस याद में निकाला जाता है कि जब अरब का आतंकवादी शासक यजीद इनसानियत और इस्लाम को मिटाने पर तुल गया तो मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन अ0स0ने इस्लाम और इनसानियत को बचाने के लिए इसी तारीख 28 रजब सन 60 हिजरी को मदीना शहर से करबला का सफर किया था और 10 मोहर्रम सन 61 हिजरी को अपने 72 साथियों की कुरबानी पेश करके इस्लाम और इनसानियत को बचाया था। उसी याद में यह जुलूस हर साल निकाला जाता है। यह जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुलतानपुर के द्वारा दी गई।

मालगाड़ी भिड़ंत मामले की जांच शुरू, डाटा लोगर से खुलेगा घटना का सच

संवाददाता।

सुल्तानपुर। दो मालगाड़ी की भिड़ंत के मामले में सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ग्रेड के अधिकारियों की 4 सदस्यीय समिति जांच करेगी। समिति रेड सिग्नल पार करने वाले इंजन के डाटा लोगर (डिवाइस) और उसके ळै रिकॉर्ड की जांच कर घटना की तफ्तीश करेगी। जीपीएस से इसका पता लगाया जाएगा कि ब्रेक को कब लगाया गया था, उससे पहले स्पीड को कब से कम करना शुरू किया गया था। उत्तर रेलवे की मुख्य रेल संरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में जोनल मुख्यालय की टीम जांच के लिए आज लखनऊ पहुंचेगी। समिति के सामने सुल्तानपुर से वाराणसी जा रही मालगाड़ी और वाराणसी से आने वाली मालगाड़ी के लोको पायलटों के बयान दर्ज होंगे। जांच की दिशा वाराणसी से आ रही मालगाड़ी के इंजन के ब्रेक मारने पर सही समय से उसके न लगने और लोको पायलट के देर से सतर्क होने के बीच होगी। दोनों ही परिस्थितियों में वाराणसी से आने वाली मालगाड़ी का डाटा लोगर और इंजन में लगे जीपीएस का रिकॉर्ड अहम होगा। जीपीएस के जरिए पखरौली से लेकर सुल्तानपुर तक इंजन की हर गतिविधि का पता लगाया जाएगा। उसका लोको पायलट के बयान के साथ मिलान किया जाएगा। दरअसल वाराणसी से आने वाली मालगाड़ी सुल्तानपुर से एक स्टेशन पहले ही पखरौली में रुकी थी। पखरौली से चलने के बाद सुल्तानपुर आउटर पर उसे होम सिग्नल से एक कि.मी पहले डिस्टेंस सिग्नल मिला था। यदि स्टेशन का स्टार्टर सिग्नल लाल होता है तो होम सिग्नल पीला, जबकि डिस्टेंस सिग्नल को डबल पीला रखा जाता है। ऐसे में ट्रेन और मालगाड़ी को 15 कि.मी. की गति से होम सिग्नल से प्रवेश करना होता है। यदि ट्रेन या मालगाड़ी को बिना रुके ही मेन लाइन से गुजरना होता है तो स्टार्टर, होम और डिस्टेंस सिग्नल हरा मिलता है। सुल्तानपुर हादसे के मामले में चूंकि सुल्तानपुर से वाराणसी की ओर जाने वाली मालगाड़ी को हरा सिग्नल मिला था और क्रॉस ओवर पर वाराणसी से आने वाली मालगाड़ी को रोका जाना था, इसलिए वाराणसी से आने वाली मालगाड़ी को होम का लाल सिग्नल मिला था। इस लाल सिग्नल के ठीक एक कि.मी पहले डिस्टेंस सिग्नल को पीला रखा गया था। ऐसे में लोको पायलट को दूर से ही डिस्टेंस सिग्नल को देखकर अपनी गति को कम करना था। इससे लाल सिग्नल पर मालगाड़ी रुक सके।जिस डब्ल्यूजी 12 श्रेणी के इंजन ने लाल सिग्नल को पार किया, वह भारतीय रेलवे का सबसे आधुनिक इलेक्ट्रिक इंजन है। इसका पिकअप, इमरजेंसी और सामान्य ब्रेक अन्य इंजनों की अपेक्षा बहुत प्रभावशाली हैं।

स्टेशन पर पकड़ी गई 42 हजार की दवा अवैध दवाएं

संवाददाता।

सुल्तानपुर। रेलवे सुरक्षा बल व राजकीय रेलवे पुलिस टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों तस्कर अवैध रूप से अंग्रेजी दवाएं तस्करी के लिए लेकर का रहे थे। मौके पर ड्रग्स विभाग की टीम ने पहुंचकर जांच किया। करीब 42 हजार की दवाएं जब्त की गई हैं। जानकारी के अनुसार जीआरपी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध रूप से ट्रेन के माध्यम से अवैध दवाओं की तस्करी की जा रही है। जिस पर सूचना संग्रहित कर जीआरपी एसओ व आरपीएफ के एसएचओ ने टीम तैयार कर ट्रेनों की सघन तलाशी की। इस दौरान कामाख्या समेत अन्य एक्सप्रेस ट्रेन से चोरी–छिपे 200 बोतल दवा भेजे जाने के प्रयास में दो संदिग्ध युवकों को टीम ने दबोचा। तत्काल जीआरपी पुलिस ने ड्रग्स विभाग के अधिकारियों को इसकी सूचना दी। सूचना पर औषधि निरीक्षक अनीता कुरील मौके पर पहुंची। उन्होंने दवाओं को चेक किया, पेपर मांगने पर आरोपी तस्कर पेपर नहीं दिखा सके।

अब दूसरे किसान की खतौनी कोई और किसान या व्यक्ति कहीं लगाकर या दिखाकर नहीं ले सकेगा सुविधाएं –शमशाद हुसैन सीआरओ।

अब किसानों के साथ 19 कालमों वाली खतौनी से नहीं होगा फर्जीवाड़ा

नई डिजिटल खतौनी में दर्ज रहेगा किसानों का सम्पूर्ण विवरण

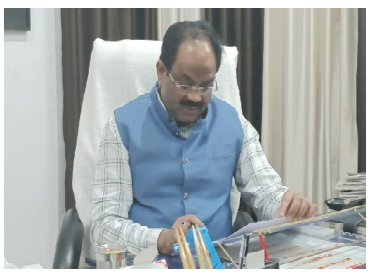

19 कॉलम वाली खतौनी पूरी तरह डिजिटल होगी । इसके पहले वाली खतौनी में सिर्फ किसान का नाम ,गाटा संख्या या खाता संख्या और क्षेत्रफल का ही विवरण होता था । लेकिन अब नई डिजिटल खतौनी में किसान का नाम , मोबाइल नम्बर, आधार नम्बर, खतौनी में अंकित भूमि कितनी बार बिक्री हुई इसका पूर्ण विवरण , बैंक से कर्ज की धनराशि ,बैंक का नाम गाटा संख्या ,खाता संख्या , क्षेत्रफल , खसरा नम्बर और हिस्सेदारों के नाम दर्ज रहेगा ।

सुलतानपुर । किसानों की खतौनी लगाकर हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए शासन ने राजस्व महकमें के जिम्मेदारों को नया ऐप अपलोड करने का निर्देश दिया है । शासन का निर्देश मिलते ही राजस्व महकमा डिजिटल खतौनी के पुराने ऐप को डिलीट कर नए ऐप को अपलोड करने की तैयारी शुरू कर दी है । इसके लिए जिले के एक दर्जन से अधिक लेखपालों और राजस्व कर्मियों को ट्रेनिंग दी जायेगी और वही ट्रेनिंगशुदा लेखपाल और राजस्व कर्मी अन्य लेखपालों और कर्मियों को प्रशिक्षित करेंगे । यह जानकारी मुख्य राजस्व अधिकारी शमशाद हुसैन ने दी अब दूसरे किसान की खतौनी कोई और किसान या व्यक्ति कहीं लगाकर या दिखाकर सुविधाएं नहीं ले सकेगा ,क्योंकि शासन ने सूबे में बड़े स्तर पर हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए डिजिटल खतौनी के पुराने ऐप को डिलीट कर नया ऐप अपलोड करने का निर्देश राजस्व विभाग के अधिकारियों–कर्मचारियों को दिया है । जिस पर जिले का राजस्व महकमा सक्रिय हो गया है । इसके लिए तहसीलों में तैयारी शुरू करा दी गई है । डिजिटल खतौनी के पुराने ऐप को डिलीट कर नए ऐप को अपलोड करने से किसानों की खतौनी का प्रारूप बदल जाएगा । नए ऐप अपलोड होनेसे अब तक 21 कॉलम में बन रही खतौनी सिर्फ 19 कॉलम की हो जाएगी । 19 कॉलम की निकलने वाली डिजिटल खतौनी में किसान और उसकी जमीन से संबंधित सभी जानकारियां दर्ज रहेगी । सीआरओ ने बताया कि फर्जी आधारकार्ड बनाकर ऑनलाइन खतौनी निकालकर दूसरे के नाम दर्ज जमीन को धोखाधड़ी से बैनामा करा लिया जाता था ,लेकिन अब नई डिजिटल खतौनी ऐप अपलोड हो जाने से 19 कॉलम की मिलने वाली खतौनी के फर्जी होने या किसी भी प्रकार के शक होने पर एक क्लिक में ही असली किसान के बारे में सारी जानकारियां सामने आ जाएगी । पहले खतौनी की नकल भूलेख पोर्टल से उपलब्ध होती थी ,लेकिन अब इस पुराने पोर्टल को लॉक कर नया ऐप पोर्टल भूलेख यूपी कर दिया गया है । सीआरओ शमशाद हुसैन ने कहा कि नए ऐप पर नई डिजिटल खतौनी के 19 कालमों को भरने और उसे पूरा करने की जिम्मेदारी लेखपालों को दी गई है ।

जूड़ापट्टी गांव मे संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का चल रहा है आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालु पहुँच कर कथा का कर रहे है रसपान।

सुल्तानपुर जनपद के विकास क्षेत्र धनपतगंज गांव जूड़ापट्टी में श्रीमद्भागवत कथा चल रही है।जहाँ सैकड़ों श्रद्धालु पहुँच कर कथा का रसपान कर रहे है।आज पांचवें दिन रविवार को अयोध्या धाम के कथावाचक आचार्य देवमूर्ति महराज ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और गोवध्र्न पूजा की कथा का वर्णन किया। श्रीकृष्ण की माखन चोरी, जैसे मार्मिक प्रसंग सुनाकर भक्तों को भाव विभोर कर दिया।कथा ब्यास ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने मात्र सात वर्ष की छोटी सी अवस्था में गोवर्धन जैसे विशाल पर्वत को अपने बाए हाथ की कनिष्ठिका की अंगुली पर धारण किया। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं को गोवर्धन पर्वत की कथा का सार समझाते हुये कहा कि हमारी आपकी ग्रहस्थी भी विशाल पर्वत के समान हैं जब भगवान ने गोवर्धन पर्वत धारण किया तो ग्वालबालों ने कहा कन्हैया अपनी अंगुली नीचे कर लो भगवान ने जैसे ही अपनी अंगुली नीचे किए सबकी लाठी टूटने लगी ग्वालबाल चिल्लाए कन्हैया बचाओ बचाओ ग्वालबालों की पुकार पर भगवान ने पुनः पर्वत धारण किया महाराज ने बताया जिस प्रकार ग्वालों को अभिमान हो गया कि यह पर्वत हम सब धारण करें है। तो भगवान ने अपनी कृपा रूपी अंगुली नीचे की ग्वाल बालाओ की अभिमान रूपी लाठी टूट गई हमारी आपकी ग्रहस्थी भी भगवान की कृपा से ही चल रही।जिस घर से जिस परिवार से भगवान कृपा रूपी अंगुली हटाते तो उसी दिन वो परिवार समाप्त हो जाता है इसीलिए हम सब को कभी भी अभिमान नहीं करना चाहिए सदा सर्वदा भगवान का भजन करते रहना चाहिए। इस उपस्थित कथा पंडाल में पंडित अंकित शास्त्री केशवानंद ,कथा आयोजक–सतेंद्र मिश्रा, विवेक मिश्र, श्रोतागण– विजय पांडे ,अनिल तिवारी, शिवशंकर,लालमणि,लालजी, सुखदेव,दिनेश हरीश समेत भारी संख्या में श्रोता मौजूद रहे।

एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को पात्र गृहस्थी योजना का नया राशन कार्ड कराया गया उपलब्ध–जीवेश कुमार मौर्य जिला पूर्ति अधिकारी।

जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा नगर पालिका परिषद में निवास करने वाले एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को पात्र गृहस्थी योजना का नया राशन कार्ड कराया गया उपलब्ध।

सुलतानपुर । जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य द्वारा नगर पालिका परिषद में निवास करने वाले एक दर्जन से अधिक व्यक्तियों को शासन की मंशानुरूप पात्र गृहस्थी योजना का नया राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया। साथ ही राशनकार्ड धारको को राशन कार्ड पर प्राप्त होने वाले अनुमन्य खाद्यान्न के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गयी। राशन कार्ड धारको द्वारा नया राशन कार्ड प्राप्त करने की खुशी व्यक्त की गयी। राशन कार्ड प्राप्त करने वाले धारको का विवरण निम्नवत हैं:– शबनम पत्नी अब्दुल मोइद, यास्मीन बानो पत्नी अब्दुल कादिर, सीमा पत्नी राहुल कुमार, रीता रानी गुप्ता पत्नी दिलीप कुमार गुप्ता, उमा देवी पत्नी दशरथ लाल अग्रहरि, संजू गुप्ता पत्नी रवि कुमार गुप्ता, सबीना बानो पत्नी मो0 युसूफ, मोनिका डे पत्नी सिंजू डेविस, रूखसाना पत्नी रईस अहमद, साहिन परवीन पत्नी मो0 नफीस, श्रीमती गुलफसा पत्नी सोहेल, गिरजा पत्नी रामभुवाल, लक्ष्मी जायसवाल पत्नी जुग्गीलाल, साफिया बानो पत्नी मो0 जहीर, संगीता पत्नी धीरज सिंह है। इस अवसर पर क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी प्रथम माला कुमारी, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी–द्वितीय रजनीश उपाध्याय, पूर्ति निरीक्षक नगर पालिका परिषद मुवीनउद्दीन सिद्दीकी उपस्थित रहे।

दबंग शिक्षक के कब्जे से खाली कराया गया बारात घर

संवाददाता।

मिल्कीपुर–अयोध्या। जिलाधिकारी से शिकायतों के बाद आखिरकार ब्लॉक से लेकर तहसील के प्रशासनिक अधिकारी नींद से जाग गए और इनायत नगर गांव स्थित बारात घर पर दबंग शिक्षक द्वारा किए गए अवैध कब्जे को हटवाते हुए बारात घर खाली करा दिया गया। बता दें कि मिल्कीपुर ब्लाक क्षेत्र अंतर्गत इनायत नगर ग्राम पंचायत में काफी पुराना बारात घर स्थित है। ग्राम प्रधान रेनू यादव सहित दर्जनों ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के एक शिक्षक शिवराज यादव द्वारा अपनी दबंगई एवं सरकसी के बल पर बारात घर पर अवैध कब्जा करते हुए अपने सामान रख लिए गए थे जिसको लेकर ग्रामीणों ने ब्लॉक से लेकर एसडीएम मिल्कीपुर से शिकायत करते हुए बारात घर शादी कराए जाने की गुहार की थी किंतु दबंग शिक्षक के प्रभाव में आकर कोई भी अधिकारी और इनायतनगर पुलिस करवाई नहीं करना चाह रहा था। किंतु ग्राम प्रधान के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की और बारात घर खाली कराए जाने की मांग की। जिसका संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल बारात घर खाली कराए जाने का आदेश दिया और आखिरकार अवैध कब्जे दार के कब्जे से बारात घर खाली कराया जा सका।

अयोध्या के घाटों की सफाई का निरीक्षण करते नगर आयुक्त विशाल सिंह

अयोध्या। रामलला के भव्य मन्दिर निर्माण होने के साथ ही रामनगरी में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके मद्देनजर श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं को प्रदान करने का उत्तरदायित्व बढ़ गया है। इसीलिए नगर निगम अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध करा रहा है। मठ–मंदिरों की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उक्त बातें नगर आयुक्त विशाल सिंह ने सोमवार को रामनगरी की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के दौरान कहीं। उन्होंने मठ–मन्दिरों व घाटों पर उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था बनाये रखने के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों को जन सुविधाओं में विशेष सफाई व्यवस्था व प्रमुख मार्गों पर ससमय कूड़ा उठान कराये जाने व पर्यवेक्षणीय अधिकारियों को नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त ने बताया कि नगर निगम अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को मूलभूत सुविधाओं के साथ उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था के लिए पूर्ण रूपेण प्रतिबद्ध है।उन्होंने बताया कि सफाई व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए आधुनिक उपकरणों के माध्यम से घाटों एवं मठ–मन्दिरों के आस– पास सफाई का कार्य नियमित रूप से कराया जा रहा है।

मांगो को लेकर दिव्यांगो ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। सिविल लाइन स्थित तिकोनिया पार्क में कांग्रेस के निशक्तजन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।जिलाध्यक्ष राजकुमार राजभर के नेतृत्व में 2 दर्जन से अधिक दिव्यांग कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार सदर इंदुभूषण को सौंपा। इनकी प्रमुख मांग दिव्यांग जन व्यक्तियों को मुख्यमंत्री आवास और शौचालय दिया जाय, विकासभवन में दिव्यांग जनों के साथ धाँधली न हो। जय भोले सेवा समिति के जिलाध्यक्ष श्री निवास कुशवाहा ने बताया कि सभी विभागों में दिव्यांगों को परेशान और प्रताड़ित किया जा रहा है। विकास भवन के अधिकारी प्रत्येक कार्य के लिए कई बार चककर लगवाते है। दिव्यांग जन कल्याण कार्यालय में धांधली होती है ।

अमेरिका–रूस तो केवल डराएंगे, ड्रैगन महाविनाश लाएगा, 2035 तक 1500 एटम बम बना लेगा चीन!

चीन न केवल एटम बम बना रहा है बल्कि इसे दागने के लिए आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर भी बड़ी तादाद में बना रहा है। पेंटागन ने अमेरिकी कांग्रेस को एक रिपोर्ट सौंपी है। उस रिपोर्ट में अंदेशा जाहिर किया गया है कि चीन तेजी से एटम बम बना सकता है। इसके साथ ही जानकारी है कि 2035 तक चीन के पास 1500 एटम बम हो सकते हैं। हालांकि चीन की तैयारी पेंटागन के अनुमान से कहीं आगे की है। चीन न केवल एटम बम बना रहा है बल्कि इसे दागने के लिए आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर भी बड़ी तादाद में बना रहा है। रेस चाहे एटम बम की हो या फिर

एटम बम ले जाने वाली इंटरकाउंटिनेंटल मिसाइलों की, सर्वनाश का सामान एकट्ठा करने की दौड़ में चीन अमेरिका से भी आगे निकलने की कोशिश में लगा है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय को जिनपिंग की दो विनाशकारी योजनाओं के बारे में पता चला है। पहली योजना 2027 की है और दूसरी 2035 की है। पेंटागन की रिपोर्ट के अनुसार चीन अमेरिका से ज्यादा आईसीबीएम मिसाइल लॉन्चर बना रहा है। अक्टूबर 2022 के बाद चीन और अमेरिका के हथियारों का संतुलन बदल गया है। चीन ने महाविनाश के कई हथियारों की रेस में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। परमाणु जखीरे को बढ़ाकर 1,500 कर देगा चीन जब रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की, तो नाटो अपनी इच्छा के बावजूद रूस पर आक्रमण नहीं कर सका। रूस के परमाणु जखीरे को इसके पीछे मुख्य कारण बताते हुए शी जिनपिंग ने पिछले साल नवंबर के महीने में परमाणु हथियारों के महत्व पर जोर दिया था। 2022 में अमेरिका ने भी दावा किया था कि चीन अपनी परमाणु ताकत बढ़ा रहा है। अमेरिका ने कहा था कि 2035 तक चीन अपने परमाणु जखीरे को बढ़ाकर 1,500 कर देगा।

सेकेंड के वीडियो में ऐसा क्या था, नाराज होकर ईरानी विदेश मंत्री ने रद्द कर दिया भारत दौरा

ईरान के विदेश मंत्री होसैन आमिर–अब्दुल्लाहियां 3 और 4 मार्च को होने वाली रायसीना वार्ता के लिए भारत की यात्रा करने वाले थे। रायसीना संवाद विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित प्रमुख थिंक टैंक कार्यक्रम है। ईरान में जारी प्रदर्शन ने वहां के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के लिए मुसीबतें पैदा कर दी है। इन प्रदर्शनों की वजह से अब ईरान के विदेश मंत्री ने अपना भारत दौरा रद्द कर दिया है। जिसकी वजह बना एक दो सेकेंड का वीडियो है जिसमें ईरानी महिलाएं राष्ट्रपति की तस्वीर के साथ विरोध में बाल काटते नजर आ रही है। साल 2023 के कार्यक्रम से जुड़े इस आयोजन का प्रमोशनल वीडियो एक महीने पहले जारी

किया गया था। इस वीडियो में दो सेकेंड की एक क्लिप में नजर आ रहा है कि कुछ महिलाएं अपने बाल काटती नजर आ रही हैं। उनके साथ ही ईरानी राष्ट्रपति रईसी की फोटोग्राफ भी है। ईरान के विदेश मंत्री होसैन आमिर–अब्दुल्लाहियां 3 और 4 मार्च को होने वाली रायसीना वार्ता के लिए भारत की यात्रा करने वाले थे। रायसीना संवाद विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित प्रमुख थिंक टैंक कार्यक्रम है। रायसीना डायलॉग का एक प्रमोशनल वीडियो करीब एक महीने पहले जारी किया गया था, जिसमें इवेंट के 2023 संस्करण की घोषणा की गई थी। क्लिप में, केवल दो मिनट के भीतर, ईरानी राष्ट्रपति की एक छवि के साथ विरोध ा में ईरानी महिलांओं के बाल काटने का दो सेकंड का शॉट दिखाया गया है। इसने ईरानी दूतावास को नाराज कर दिया जो विदेश मंत्री अमीर–अब्दुल्लाहियान की भारत यात्रा की तैयारी कर रहा था। सूत्रों ने कहा कि ईरानी दूतावास ओआरएफ और विदेश मंत्रालय के पास पहुंचा, उनके राष्ट्रपति और प्रदर्शनकारियों के अगल–बगल के चित्रण पर आपत्ति जताई और उनसे अनुक्रम को हटाने के लिए कहा। हालांकि, आयोजकों ने इसके लिए हामी नहीं भरी। ईरानी सरकार ने आयोजकों को सूचित किया है कि मंत्री रायसीना डायलॉग के लिए यात्रा नहीं कर पाएंगे।

अरुणाचल भारत का अभिन्न अंग, अमेरिकी सांसदों ने चीन की आक्रामकता की निंदा करते हुए पेश किया विधेयक

ओरेगन से डेमोक्रेटिक सीनेटर जेफ मर्कले और टेनेसी से रिपब्लिकन सीनेटर बिल हेगर्टी ने सीनेट में एक प्रस्ताव पेश किया, जो भारत गणराज्य के अभिन्न अंग के रूप में एक भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश की संयुक्त राज्य अमेरिका की मान्यता की पुष्टि करता है। अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीन की आक्रमक नीति का अमेरिका ने खुलकर विरोध किया है। भारत का पक्ष लेते हुए अमेरिका ने दो टूक कहा है कि

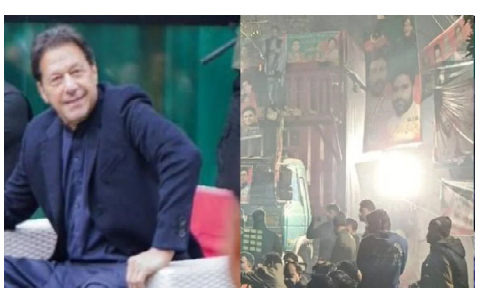

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है। ओरेगन से डेमोक्रेटिक सीनेटर जेफ मर्कले और टेनेसी से रिपब्लिकन सीनेटर बिल हेगर्टी ने सीनेट में एक प्रस्ताव पेश किया, जो भारत गणराज्य के अभिन्न अंग के रूप में एक भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश की संयुक्त राज्य अमेरिका की मान्यता की पुष्टि करता है। यह संकल्प पूर्वी क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच हालिया संघर्ष के जवाब में है, जो छह वर्षों में अपने चरनम पर है। समाचार एजेंसी एएनआई ने कांग्रेस के कार्यकारी आयोग के सह–अध्यक्ष सीनेटर मर्कले के हवाले से कहा कि ये प्रस्ताव स्पष्ट करता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का अभिन्न अंग मानता है। साथ ही वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) चीन की हरकतों का विरोध भी करता है। ऐसे समय में जब चीन मुक्त और खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा करना जारी रखे हुए है, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना महत्वपूर्ण है। यह द्विदलीय प्रस्ताव अरुणाचल प्रदेश राज्य को भारत के अभिन्न अंग के रूप में स्पष्ट रूप से मान्यता देने के लिए सीनेट के समर्थन को व्यक्त करता है।

पाकिस्तान मे 780 रुपये चिकन, 272 का पेट्रोल, आईएमएफ के शर्तों में दबी सरकार,

पाकिस्तान के अंधकारमय भविष्य की आहट से जिन्ना के मुल्क में हाहाकार मचा है। भूख से बिलबिलाती और महंगाई की मार से छटपटाती पाकिस्तानी आवाम पीएम मोदी को याद कर रही है। सुबह होती है, शाम होती है, उम्र इसी तरह तमाम होती है। वैसे तो ये फलसफां जिंदगी के लिए जाहिर किया गया है। लेकिन कुछ ऐसा ही हाल पाकिस्तान का भी है। पड़ोसी मुल्क

में दिन होता है। रात होती है। लेकिन उम्मीद की कोई सुबह नहीं होती है। पाकिस्तान एक ऐसे फंदे में फंस गया है कि अब उसके पास से उसमें से निकलने का रास्ता भी नहीं बचा है। पाकिस्तान की हर तरकीब फेल होती नजर आ रही है। वो अपने जिगरी चीन से लेकर खाड़ी देशों के आगे गिड़गिड़ा चुका है। आईएमएफ जैसे इंटरनेशनल संस्थाओं के आगे बेशर्मी से हाथ फैला रहा है, लेकिन आम पाकिस्तानियों को अब सहारा सिर्फ नरेंद्र मोदी से नजर आ रहा है। पाकिस्तान में एक बार फिर से जब महंगाई का बम फटा और टैक्स का सरकारी हंटर चला तो पाकिस्तानी पीएम मोदी को एकबार फिर याद करने लगे। आम पाकिस्तानियों की थाली से आटा, दाल और प्याज जैसी चीजें पहले ही दूर होती जा रही हैं। माल ढुलाई और कल–कारखानों के लिए जरूरी तेल–बिजली और गैस महंगी होने से जिंदगी गुजारना और दूभर होगा। अनुमान है कि महंगाई जून तक 33ः पर पहुंच सकती है। रही बात सरकार की तो उसका विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खाली हो चुका है। यानी चीजें आयात करने के लिए उसके पास पैसा नहीं है। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया 275 पर पहुंच गया है, जो पिछले साल इन्हीं दिनों 175 के आसपास था। दाल–रोटी भी दूभर पाकिस्तान में दूध की कीमत 210 रुपयेध्लीटर और चिकन 780 रुपयेध किलो बिक रहा है। पाकिस्तान के कई शहरों में आटा नहीं मिल रहा है। जहां मिल रहा है, वहां दाम 145 से 165 रुपयेधकिलो तक पहुंच गया है। जबकि भारत में आटा 30 से 40 रुपये प्रति किलो है। आवाम पीएम मोदी को याद कर रही पाकिस्तान के अंधकारमय भविष्य की आहट से जिन्ना के मुल्क में हाहाकार मचा है। भूख से बिलबिलाती और महंगाई की मार से छटपटाती पाकिस्तानी आवाम पीएम मोदी को याद कर रही है।

इमरान खान की गिरफ्तारी के लिए लाव–लश्कर के साथ पुलिस मौजूद, पीटीआई कार्यकर्ताओं ने हजारों की संख्या में डाला डेरा

इमरान खान के सैकड़ों समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करने के लिए एकत्र हो गए हैं। दरअसल, पाकिस्तान की एंटी

टेररिज्म कोर्ट ने इमरान खान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। लाहौर में पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान के आवास पर हाई वोल्टेड ड्रामा देखने को मिला। लाहौर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने के लिए भारी लाव लश्कर के साथ पहुंच गई है। जबकि इमरान खान के सैकड़ों समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करने के लिए एकत्र हो गए हैं। दरअसल, पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने इमरान खान की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद लाहौर के जमान पार्क में भारी पुलिस बल पहुंच गई है। जैसे ही यह बात फैली कि पाकिस्तानी पुलिस खान को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है, पीटीआई कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में आना शुरू कर दिया और नारे लगाते हुए उनके आवास के बाहर डेरा डाल दिया। धरने के बजाय विश्व कप जीत के जश्न जैसा दिखने वाले दृश्यों में, क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान के समर्थक झंडे लहराते, बैनर ले जाते हुए देखे गए, जबकि पृष्ठभूमि में गाने बज रहे थे। जमान पार्क की ओर पैदल और वाहनों में जाने वालों को सड़क के अवरोधों को हटाते और हटाते हुए देखा गया। पार्टी अध्यक्ष को गिरफ्तार करने के पुलिस के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए महिलाओं और बच्चों सहित पीटीआई के सैकड़ों समर्थकों ने जमां पार्क में जमा होना शुरू कर दिया।

चोट से उबरने के बाद वापसी के लिए तैयार

मेलबर्न।

सीमित ओवरों के विशेषज्ञ 34 वर्षीय मैक्सवेल इस सप्ताहांत तीन महीने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनके दक्षिण आस्ट्रेलिया के खिलाफ विक्टोरिया की तरफ से शेफील्ड शील्ड मैच में खेलना तय है। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पैर की चोट से उबरने के बाद अब वापसी के लिए तैयार हैं तथा क्लब क्रिकेट के एक मैच में अपनी फिटनेस का आकलन करने के बाद वह शेफील्ड शील्ड के मैच में खेल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के नवंबर में आईसीसी टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के कुछ दिन बाद अपने दोस्त की जन्मदिन पार्टी में मैक्सवेल के बाएं पांव में फ्रैक्चर हो गया था। सीमित ओवरों के विशेषज्ञ 34 वर्षीय मैक्सवेल इस सप्ताहांत तीन महीने के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनके दक्षिण आस्ट्रेलिया के खिलाफ विक्टोरिया की तरफ से शेफील्ड शील्ड मैच में खेलना तय है। मैक्सवेल शनिवार को क्लब टीम फिट्जराय–डॉनकास्टर के लिए खेलेंगे, जिसके बाद उनका फिटनेस टेस्ट होगा। फिटनेस टेस्ट में सफल होने के बाद वह सोमवार को दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जंक्शन ओवल में होने वाले शील्ड मैच में उतरेंगे। क्रिकेट विक्टोरिया के पुरुष क्रिकेट के प्रमुख डेविड हसी ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा, ''ग्लेन की क्षमता वाले खिलाड़ी का टीम में आना रोमांचक है। शील्ड क्रिकेट में उनका शानदार रिकॉर्ड है।

अर्धशतक, पर अश्विन ने आस्ट्रेलिया को बैकफुट पर भेजा

नयी दिल्ली।

अश्विन ने लंच से ठीक पहले मार्नस लाबुशेन (18) और स्टीव स्मिथ (शून्य) को पवेलियन भेजा। इससे पहले मोहम्मद शमी ने सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (15) को आउट किया। अश्विन ने अब तक 29 रन देकर दो जबकि शमी ने 31 रन देकर एक विकेट लिया है। सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने नाबाद अर्धशतक जमाया लेकिन रविचंद्रन अश्विन ने दो विकेट लेकर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां लंच से पहले वापसी दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने लंच के समय तीन विकेट पर 94 रन बनाए थे। उस समय ख्वाजा 50 और ट्रेविस हेड एक रन पर खेल रहे थे। अश्विन ने लंच से ठीक पहले मार्नस लाबुशेन (18) और स्टीव स्मिथ (शून्य) को पवेलियन भेजा। इससे पहले मोहम्मद शमी ने सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर (15) को आउट किया। अश्विन ने अब तक 29 रन देकर दो जबकि शमी ने 31 रन देकर एक विकेट लिया है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिन्स ने लगातार दूसरे मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ख्वाजा और वॉर्नर ने पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। ख्वाजा अधिक विश्वास के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे और उनका फुटवर्क भी अच्छा था लेकिन वॉर्नर को संघर्ष करना पड़ा। मोहम्मद सिराज ने अपने पहले स्पैल में उन्हें काफी परेशान किया।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तालिबानी आत्मघाती बम हमलावर ढेर

तहरीक–ए–तालिबान (टीटीपी) से संबंधित आत्मघाती बम हमलावर की मौजूदगी के बारे में पुष्ट खुफिया सूचना मिलने के बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दक्षिण वजीरिस्तान जिले के स्पिनकाई इलाके में अभियान चलाया गया था। पेशावर। अफगानिस्तान की सीमा से सटे पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना पर आधारित सुरक्षा बलों के अभियान में एक तालिबानी आत्मघाती बम हमलावर को मार गिराया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। तहरीक–ए–तालिबान (टीटीपी) से संबंधित आत्मघाती बम हमलावर की मौजूदगी के बारे में पुष्ट खुफिया सूचना मिलने के बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में दक्षिण वजीरिस्तान जिले के स्पिनकाई इलाके में अभियान चलाया गया था। बम हमलावर की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बल जिले में एक गांव में पहुंचे और संदिग्ध परिसर को घेर लिया। सुरक्षा बलों के साथ गोलीबारी के दौरान हमलावर के शरीर में लपेटे गए बम में विस्फोट होने से वह मारा गया। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि बम हमलावर अफगानिस्तान के लोगार प्रांत से आया था। प्रतिबंधित टीटीपी को पाकिस्तान तालिबान के नाम से जाना जाता है। टीटीपी पूर्व में सुरक्षा कर्मियों को निशाना बनाकर कई आत्मघाती हमले कर चुका है। समूह को अल–कायदा का करीबी माना जाता है और समूचे पाकिस्तान में इस पर 2009 के सैन्य मुख्यालय पर हमला, सैन्य अड्डों पर हमला और इस्लामाबाद में 2008 में मैरियट होटल पर हमला समेत कई हमलों को अंजाम देने का आरोप है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका करेंगे 'टेबल टाप सैन्य अभ्यास

सियोल।

'टेबल टॉप' अभ्यास का अर्थ है कि अहम भूमिका एवं जिम्मेदारियां निभाने वाले सैन्य अधिकारी एकत्र होकर आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया पर विचार–विमर्श करते हैं और योजना बनाते हैं। यह अभ्यास बुधवार को किया जाएगा। दक्षिण कोरिया और अमेरिका, उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हथियारों के संभावित इस्तेमाल की स्थिति में अपनी संयुक्त प्रतिक्रिया पर विचार करने के लिए अगले सप्ताह अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन में 'टेबल टॉप' सैन्य अभ्यास करेंगे। 'टेबल टॉप' अभ्यास का अर्थ है कि अहम भूमिका एवं जिम्मेदारियां निभाने वाले सैन्य अधिकारी एकत्र होकर आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया पर विचार–विमर्श करते हैं और योजना बनाते हैं। यह अभ्यास बुधवार को किया जाएगा। अमेरिका और दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया के लगातार आक्रामक होते परमाणु कार्यक्रम के मद्देनजर अपने 70 साल पुराने गठबंधन को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया ने एक बयान में बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों के खिलाफ उठाए जाने वाले कदमों पर ध्यान केंद्रित करना है और इस बात पर चर्चा करना है कि अमेरिका के सहयोगियों पर हमलों को रोकने के लिए परमाणु समेत अमेरिका की पूर्ण क्षमताओं का इस्तेमाल करने की प्रणाली कैसे विकसित की जा सकती है।

गावस्कर ने पुजारा से कहा, 100वें टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनो

नयी दिल्ली। भारत की तरफ से 125 टेस्ट मैच खेलने वाले गावस्कर ने कहा,'' आपका 100 टेस्ट मैच के क्लब में स्वागत है और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनो और दिल्ली में एक और जीत की नींव रखो।'' अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने शुक्रवार को उम्मीद जताई कि चेतेश्वर पुजारा अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बनेंगे और उन्होंने साथ ही कहा कि वह कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के शानदार उदाहरण हैं। पुजारा आस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में मैदान पर कदम रखते ही भारत की तरफ से 100 टेस्ट मैच खेलने वाले 13वें क्रिकेटर बन गए। भारतीय टेस्ट टीम के मुख्य स्तंभ पुजारा ने टीम के अपने साथियों और परिजनों के सामने गावस्कर से विशेष कैप हासिल की।

दो बच्चों के बीच लड़ाई की वजह बन सकती हैं पेरेंट्स की ये गलतियां, रखें इनका ध्यान

जिस घर में दो बच्चे होते हैं वहां चहल–पहल बनी रहती हैं। दोनों बच्चों के बीच का प्यार तो आपको देखने को मिलता ही हैं, लेकिन इसी के साथ ही उनके बीच नोक–झोंक भी देखने को मिलती हैं। बचपन से लेकर टीनएजर तक भाई–बहनों के बीच अक्सर छोटी–छोटी बातों पर लड़ाइयां होना आम बात है। कई बार इसके पीछे का कारण पेरेंट्स की कुछ आदतें भी बनती हैं। वैसे तो सभी माता–पिता अपने बच्चों को बराबर का प्यार और स्नेह देते हैं। लेकिन कई बार अनजाने में कुछ चीजें ऐसी हो जाती हैं जिसकी वजह से बच्चों के मन में खिन्नता हो जाती हैं जो लड़ाई के रूप में देखने को मिलती हैं। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं पेरेंट्स की उन गलतियों के बारे में जिनपर ध्यान देना बहुत जरूरी हैं। दूसरे बच्चे की खुशी में अति उत्साहित होना किसी के घर जब दूसरे या तीसरे बच्चे का जन्म हो रहा होता है तो मां–बाप अपने बच्चों से कहते हैं कि वो बड़े भाई या बहन बनने जा रहे हैं। उन्हें लगता है कि इस खबर से जैसे वो खुश हैं वैसे ही उनके बच्चे भी होंगे जो गलत है। वास्तव में अगर बच्चा छोटा है तो वो इस स्थिति को ज्यादा समझ भी नहीं पाता। ऊपर से बच्चे के जन्म के बाद मां–बाप का प्यार और अटेंशन दो बच्चों में बंट जाता है। उनके पास बड़े बच्चे को देने के लिए ज्यादा समय भी नहीं होता। बच्चों की वजह से व्यस्तता भी बढ़ जाती है। इसके अलावा बड़े बच्चे के लिए अपना कमरा, चीजें और खिलौने शेयर करना भी अलग अनुभव होता है। मां–बाप इस स्थिति पर ज्यादा ध्यान नहीं देते लेकिन बच्चे के लिए ये काफी परेशान करने वाला है। ऐसे में माता–पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनके बच्चे के मन में अपने आने वाले भाई या बहन के लिए मनमुटाव ना हो। भेदभाव करने से बचें बच्चों की आपस में लड़ाई होने के बाद कुछ पेरेंट्स अक्सर किसी एक बच्चे का पक्ष ले लेते हैं। वहीं पेरेंट्स छोटे बच्चों की नादानियों को अवॉयड कर देते हैं और बड़े बच्चे को गलती करने पर फटकार लगाने से भी नहीं चूकते हैं। ऐसे में भाई बहन के बीच दूरियां आना स्वाभिवक होता है। इसलिए लड़ाई करने पर किसी एक बच्चे का पक्ष बिल्कुल न लें और दोनों बच्चों को उनकी गलती का एहसास करवाएं। दूसरे बच्चे के आने पर पहले को इग्नोर करना मां–बाप के लिए ये उम्मीद करना गलत है कि नए बच्चे की खुशी को उनके बड़े भाई–बहन उसी तरह मनाएंगे जैसे वो मना रहे हैं। वास्तव में उनके लिए इस बात को दरकिनार करना काफी मुश्किल है कि अब उन्हें मां–बाप की पूरी अटेंशन नहीं मिलने वाली। छोटे बच्चे ये नहीं बता पाते कि वो क्यों नाराज हैं

लेकिन उन्हें बखूबी ये बात चुभती है और वो गुस्सा कर, चीजें तोड़कर और रोकर अपनी नाराजगी जाहिर करते हैं। ऐसे में मां–बाप को खासतौर पर अपने पहले बच्चे की इस मनोदशा को समझना चाहिए और उनको बराबर तवज्जो देने की कोशिश करनी चाहिए। शेयरिंग के लिए फोर्स न करे घर में छोटा बच्चा आने के बाद बड़े बच्चों को अक्सर अपने खिलौने और खाने की चीजें अपने छोटे भाई या बहन के साथ शेयर करनी पड़ती है। जाहिर है बच्चे बड़ों की तरह मैच्योर नहीं होते हैं।

एक्सेल एंटरटेनमेंट की फुकरे 3 होगी 7 सितंबर को रिलीज होगी

आखिरकार, एक लंबे इंतजार के बाद, एक्सेल एंटरटेनमेंट ने बॉलीवुड की अपनी सबसे सफल और बहुप्रतीक्षित कॉमेडी फ्रेंचाइजी फुकरे 3 की रिलीज डेट का एलान कर दिया है, जोकि 7 सितंबर 2023 को कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। हंसी और ठहाकों के बीच, यह कहना बहुत सही है कि फुकरे 3 दर्शकों के बीच अपने बढ़ते क्रेज के लिए निश्चित रूप से नए स्टैंडर्ड सेट करेगी।फुकरे 3 में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा, ऋचा चड्ढा, मनजोत सिंह और पंकज त्रिपाठी हैं। फिल्म मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित और रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित हैजबकि निर्माताओं ने इसकी प्रोग्रेस के बारे में लगातार अपडेट के साथ फुकरे 3 की प्रत्याशा को बढ़ाया है, आज फाइनली वो फिल्म के रिलीज डेट की बड़ी घोषणा के साथ सामने आ चुके हैं जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 7 सितंबर 2023 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार, रिलीज की तारीख की घोषणा दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है।फुकरे फ्रैंचाइजी ने हमेशा सफलता हासिल की है और फिल्म के दूसरा पार्ट, फुकरे रिटर्न्स बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी सक्सेस हासिल की थी। इसके बाद, फ्रैंचाइजी की लोकप्रियता ने डिस्कवरी किड्स चौनल पर फुकरे बॉयज नाम की एनिमेटेड सीरीज का निर्माण किया, जिसने फिल्म के अनूठे किरदारों को छोटे बच्चों के लिए टीवी स्क्रीन पर फिर से जीवंत कर दिया।2013 में अपने पहले पार्ट के रिलीज होने के बाद से, फुकरे ने हमेशा जनता से अपार प्यार हासिल किया है और अपने सफल पार्ट्स के साथ नई ऊंचाइयों को छुआं है, जिसने इसे लोगों द्वारा बनाई गई फ्रेंचाइजी में से एक बना दिया है। फ्रेंचाइजी ने विशेष रूप से युवाओं के बीच अपनी जगह बनाई है, फिल्म का दिल्ली कनेक्शन हमेशा फिल्म की आत्मा रहा है जिसने जनता से अपार प्यार पाया। फिल्म ने अब तक एक अविश्वसनीय यात्रा की है जिसने दर्शकों को चूचा, पंडित जी, भोली पंजाबन जैसे कुछ सबसे पसंदीदा और आइकोनिक ऑन–स्क्रीन किरदार दिए हैं, जो फुकरे 3 में पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं।

अनन्या पांडे विक्रमादित्य मोटवाने की साइबर–थ्रिलर फिल्म में निभाएंगी मुख्य भूमिका

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे एक साइबर–थ्रिलर फिल्म के लिए तैयार हैं। शीर्षक वाली फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता विक्रमादित्य मोटवानी द्वारा किया जा रहा है, जिन्हें लुटेरा, उड़ान, भावेश जोशी सुपरहीरो और एके बनाम एके जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा, जब विक्रमादित्य मोटवानी ने इस कहानी के साथ मुझसे संपर्क किया, तो मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है। एक फिल्म निर्माता के रूप में, जब तक मुझे याद है और मुझे लगता है, वह मेरी इच्छा सूची में रहे हैं।

अपने करियर की शुरूआत में उनके साथ काम करने का मौका पाकर वाकई खुशकिस्मत हूं। विक्रमादित्य इस फिल्म के प्रमुख हैं, उन्होंने कहा, यह आधुनिक समय की अपील के साथ एक थ्रिलर है और हमारे समय के लिए बहुत प्रासंगिक है। अनन्या पांडे को इस भूमिका में देखना दिलचस्प होने वाला है।हाल ही में फ्लोर पर आई इस फिल्म का निर्माण वीरे दी वेडिंग फेम निखिल द्विवेदी कर रहे हैं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के निर्देशक ने अभिनेत्री जयश्री सोनी को लीड रोल में कास्ट किया

प्रसिद्ध भारतीय टेलीविजन अभिनेत्री जयश्री सोनी प्रोफेसर पांडे के पांच परिवार नामक एक कॉमेडी शो के साथ टेलीविजन उद्योग में धमाकेदार वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जहां वह मुख्य भूमिका निभाती हैं। जानी–मानी अभिनेत्री जयश्री सोनी चार साल के अच्छे ब्रेक पर थीं और ऑस्ट्रेलिया में थीं। वह अब टेलीविजन उद्योग में वापस लौट रही हैं। उन्होंने वहां एक हॉलीवुड फिल्म की और थिएटर में भी खुद को व्यस्त रखा। भारत लौटने के बाद उन्हें यह अवसर मिला और उन्होंने इसे हड़प लिया। जयश्री सोनी बताती हैं कि कहानी एक मोहल्ले में रहने वाले पांच परिवारों की है। वह मधु नाम की एक पात्र की भूमिका निभाएंगी। मधु अपने परिवार के साथ पड़ोस में रहती है। उसे संदीप आनंद के साथ कास्ट किया गया है जो मधु के पति नंदू की भूमिका निभा रहे हैं। वह उसके साथ गहराई से और पागलपन से प्यार करती है पति और वह उसके ताने का भी बुरा नहीं मानती और महसूस करती है कि वह उन्हें उसके भले के लिए ही कह रहा होगा। उसकी एक सास भी है, जिसका किरदार मंजू शर्मा ने निभाया है और शो में उसका एक बच्चा भी है। यह है न केवल एक कॉमेडी शो बल्कि इसका एक भावनात्मक पक्ष भी है। यह एक कॉमेडी शो है और प्रसिद्ध टेलीविजन शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा के प्रसिद्ध निर्देशक मानव राज द्वारा निर्देशित है। यह नया शो बहुत ही आशाजनक लग रहा है और चूंकि यह एक कॉमेडी शो है, इसमें निश्चित रूप से कुछ पंच लाइनें भी हैं। इस निर्देशक ने 14 साल तक तारक मेहता का उल्टा चश्मा का निर्देशन भी किया है और अब शो में चोरी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। शो में प्रोफेसर पंडित जैसे कई अलग–अलग किरदार हैं जिन्होंने पूरे मोहल्ले को एक परिवार की तरह एकजुट रखा है। यह शो की मूल अवधारणा है। जब जयश्री से पूछा गया तो उन्होंने कहा, यह अब तक के सबसे अच्छे किरदारों में से एक है। वह वास्तव में सेट पर जाने और उसी की शूटिंग करने का आनंद ले रही है। उनके लिए एक शानदार वापसी है और यह किरदार दर्शकों को पसंद आएगा। उनके लिए फिर से कैमरे का सामना करना और शो के लिए शूट करना एक खुशी का क्षण था। उन्हें लगता है कि शूटिंग उनके जीवन का एक हिस्सा है। वह एक पेशेवर की तरह कैमरे का सामना करने में सक्षम हैं। उन्होंने इसे एक बहुत ही सुंदर उदाहरण के साथ समझाया। कि एक बार आप साइकिल चलाना सीख गए और 20 साल बाद भी साइकिल चलाएंगे तो दोबारा चलाना नहीं भूलेंगे। उन्होंने चिडिया घर, सुनैना, एक सफर ऐसा कभी सोचा ना था, अग्निपरीक्षा जीवन की, गंगा, रिश्तों के भंवर में, चलती का नाम गाड़ी, अदालत, यारो का टशन जैसे अन्य सभी शो में हमेशा एक बहू की भूमिका निभाई है। और दीवाने अजनाबे। डॉली

राणा दग्गुबाती ने लक्ष्मी मांचू की अग्निनक्षत्रम की पहली झलक जारी की

अभिनेत्री लक्ष्मी मांचू आगामी फिल्म अग्निनक्षत्रम में एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, जिसकी पहली झलक हाल ही में बाहुबली स्टार राणा दग्गुबाती ने जारी की है। फिल्म में लक्ष्मी के पिता मोहन बाबू गारू, समुथराकानी, विश्ववंत चित्रा, सिद्दीकी और कुछ अन्य कलाकार भी हैं। फिल्म को एक हाई ऑक्टेन क्राइम थ्रिलर है।फिल्म में लक्ष्मी के लुक और किरदार के बारे में बात करते हुए राणा ने कहा, लक्ष्मी इस फिल्म से सभी को हैरान करने वाली हैं। वह एक पुलिस वाले और बदमाश की भूमिका में हैं। यह वास्तव में शानदार लग रहा है।

लक्ष्मी एक प्यारी दोस्त हैं और मुझे फिल्म की एक झलक दिखाने में बहुत खुशी हो रही है।लक्ष्मी ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा रू राणा एक करीबी दोस्त, एक विश्वासपात्र हैं और वह मेरे हर काम में मेरा सहयोग करते हैं। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि उन्होंने टीम को शुभकामनाएं दी हैं, वह शुरुआत से ही मेरे इस प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित हैं। यह बेहद खास है। उन्होंने आगे कहा, पिताजी के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करना एक सपने के सच होने से परे है और इसे बनाने के लिए मुझे और अधिक खुशी मिलती है। मैं स्क्रीन पर इसके हिट होने का इंतजार नहीं कर सकती। पिता–पुत्री की जोड़ी द्वारा अपने होम बैनर, श्री लक्ष्मी प्रसन्ना पिक्चर्स और मांचू एंटरटेनमेंट के तहत निर्मित, फिल्म वामसी कृष्णा मल्ला द्वारा निर्देशित है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक निर्मल के लिए शिखर ऑफसेट प्रिन्टर 89 गंदा नाला सिविल लाइन जिला सुलतानपुर उ.प्र. से मुद्रित तथा ग्राम भरसड़ा पोस्ट पीपरगांव थाना कूरेभार, जिला-सुलतानपुर उ.प्र. से प्रकाशित। **सम्पादक**-निर्मल मो.9415991932, 8738918470 **सहसम्पादक**- प्रदीप पाण्डेय
वेबसाइट http://www.devprabhatnews.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।